रेलवे मंत्रालय कर्मचारियों का अखिल भारतीय आन्दोलन

3323. **श्री रामावतार शास्त्री :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय रेलवे मंत्रालयीय कर्मचारी संघ के दिसम्बर, 1980 में एक अखिल भारतीय आन्दोलन आरम्भ किया था ;

(ख) क्या यह सच है कि इस की विभिन्न शाखाओं ने उन्हें एक ज्ञापन भेजा था;

(ग) यदि हां, तो उस में क्या मांग की गई थीं; और

(घ) उन्हें पूरा करने के लिए सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

रेल मंत्रालय तथा संसदीय कार्य विभाग में उपमंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) और (ख). जी हां ।

(ग) संघ की मुख्य मांगें निम्नलिखित हैं :—

(1) नए पदों के सृजन तथा मंत्रालयी संवर्ग की भर्ती पर लगे प्रतिबन्ध पूर्णत : हटा दिया जाये ।

(2) मंत्रालयीय संवर्ग के ग्रेडों का पुर्नसंरचना ।

(3) निर्वाह व्यय सूचांक में हुई वृद्धि का पूर्ण निष्प्रभावीकरण ।

(घ) वर्तमान नियमों तथा वित्तीय कठिनाइयों की परिसीमा के अन्दर किसी भी स्रोत से प्राप्त कर्मचारियों के अभ्यावेदनों पर सरकार की नीति के अनुसार विधिवत विचार किया जाता है और आवश्यक समझी गयी कार्यवाही की जाती है । अखिल भारतीय रेलवे मंत्रालयीय कर्मचारी संघ की मांगों पर भी इसी नीति की परिसीमा के तहत विचार किया गया है ।

दिल्ली परिवहन निगम की बेकार खड़ी बसों की संख्या

3324. **श्री बिहारी सिंह :** क्या नौवहन और परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली परिवहन निगम के अन्तर्गत सरकारी प्राइवेट तथा निजी बसों की क्रमश: संख्या क्या है तथा इनमें से कितनी वर्कशाप में बेकार खड़ी हैं ;

(ख) ये बसें कब से वर्कशाप में खड़ी हैं और इनकी शीघ्र मरम्मत के लिए क्या कदम उठाये गए हैं ?

नौवहन और परिवहन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बूटा सिंह) : (क) 4-3-1981 को दिल्ली परिवहन निगम के पास अपने निजी बेड़े की 2700 बसें थीं इसके अलावा, इसके पास किराये पर ली हुई 618 प्राइवेट बसें भी थीं जिनमें 221 मिनी बसें शामिल हैं । जिन बसों को स्क्रैप किया जाना है, उन्हें छोड़ कर, निगम को सैंट्रल वर्कशाप में उक्त तारीख को दिल्ली परिवहन निगम की सिर्फ 34 बसें मरम्मत के लिए खड़ी थीं । इस बात की जानकारी दिल्ली परिवहन निगम के पास उपलब्ध नहीं है कि कितनी खराब प्राइवेट बसें अपने वर्कशाप में मरम्मत के लिए खड़ी थीं ।

(ख) सैन्ट्रल वर्कशाप में मरम्मत के लिए खड़ी दिल्ली परिवहन निगम की 34 बसों में से 11 बसों को 2 महीनों तक का समय हो गया है और शेष बसों को 1 महीना तक हुआ है । इन बसों को मरम्मत करने के लिए एक कार्यक्रम तैयार किया गया है और इस कार्यक्रम के अनुसार, अप्रैल, 1981 के अन्त तक इन सभी बसों की मरम्मत हो जाएगी ।